सांध्य दैनिक

क्राईम स्टोरी

देहरादून, मंगलवार 14 नवम्बर 2017 (RNI No. UTTHIN/2009/30725) वर्ष 9, अंक 79 पृष्ठ 8 1.00 रूपये

बालपन में लौट गये राजनेता!

अपने इलाके में खुद को कार्यक्रम में न बुलाने पर राजनेताओं को नहीं आने देते 'नेताजी'

कुछ पॉवरफुल राजनेताओं

देहरादून। उत्तराखण्ड के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि सरकार में शामिल एक बडा राजनेता सरकार बनने के बाद से ही बालपन में लौट आया है? नेताजी के बालपन की तरह जिद करने से सरकार में शामिल कुछ राजनेता काफी हैरान व परेशान दिखाई देते हैं क्योंकि जब भी राजनेता के इलाके में किसी बडे कार्यक्रम के आयोजन में प्रदेश के कुछ पॉवरफुल राजनेताओं को बुलाया जाता है और नेताजी को कार्यक्रम से दूर रखा जाता है तो नेताजी बालपन में लौटकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को साफ संदेश दे देते हैं कि वह उनके इलाके में हो रहे कार्यक्रम में नहीं आयेंगे। इस पर ऐनमौके पर मुख्य अतिथि कार्यक्रम से दूरी बनाकर अपने आपको पीछे कर लेते हैं जिसके चलते कई बार बडे-बडे कार्यक्रमों में नेताजी की जिद के आगे मुख्य अतिथि का चयन करना भी बडी महाभारत हो रहा है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि नेताजी आवाम के बीच किस तरह से हर कार्यक्रम में अपने आपको शामिल करने के लिए बालपन की तरह जिद्दी हो रखे हैं?

उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड के निर्माण के बाद से आज तक भाजपा व कांग्रेस की सरकारें सत्ता पर राज करती रही हैं इस बार भाजपा को विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत मिला तो उसके एक छोटे से राजनेता को पार्टी के अन्दर बडा वजूद मिल गया जिसके चलते यह नेताजी अपने आपको प्रदेश का सबसे पॉवरफुल नेता साबित करने के लिए कहीं भी अपनी हेकडी दिखाते हुए नजर आ जायेंगे। राज्य के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि नेताजी जिस इलाके के रहने वाले हैं वहां वह अपने आपको हर कार्यक्रम में उपस्थित रहने का खाका बनाये हुए हैं और उन्होंने साफ संदेश दे रखा है कि अगर उन्हें किसी भी कार्यक्रम में शामिल न किया गया तो सरकार का कोई भी पॉवरफुल नेता उनके इलाके में हो रहे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकता। नेताजी के इलाके के लोग आजकल काफी खौफजदा नजर आ रहे हैं और उनके लिए हर कार्यक्रम में नेताजी को बुलाना एक बडी मजबूरी हो गया है क्योंकि अगर किसी भी छोटे या बडे कार्यक्रम में नेताजी को न बुलाकर सरकार के किसी पॉवरफुल नेता को बुलाने का निमंत्रण दिया गया तो इसका पता चलते ही नेताजी वीआईपी को साफशब्दों में अल्टीमेटम दे देते हैं कि वह किसी भी कीमत पर उनके इलाके में हो रहे कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। यही कारण रहा कि चंद कार्यक्रमों में जब पॉवरफुल नेता को बुलाया गया और बालपन वाले नेताजी को कार्यक्रम से दूर रखा गया तो उस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने आने से हमेशा परहेज किया जिसके चलते बिना मुख्य अतिथि के ही कुछ कार्यक्रमों को पूरा किया गया। एक राजनेता का कहना था कि नेताजी बालपन की तरह जिद्द करते हैं कि उनके इलाके में वह मुख्य अतिथि न बने। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि नेताजी को छपास का रोग इतना क्यों लग गया है कि वह मीडिया में छाने को लेकर हर कार्यक्रम में अप्रोक्ष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की जिद्द में अड जाते हैं। अब तो इन नेताजी को लेकर राज्य के गलियारों में शोर मचना शुरू हो गया है कि पॉवर में छोटा सा राजनेता भी किस तरह से अपने आपको राज्य का भाग्य विधाता समझने लग जाता है?

उत्तराखण्ड में कुछ राजनेताओं ने तो अपने आपको नम्बर-वन साबित करने के लिए मीडिया घरानों के कुछ मीडियाकर्मियों को भी अपने पाले में कर रखा है जो कि उनका प्रचार-प्रसार करने के लिए पर्दे के पीछे से तेजी के साथ खेल खेलने में लगे हुए हैं और यही कारण है कि सोशल मीडिया पर इन दिनों राज्य के कुछ नेता अपनी बात कहते हुए नजर आते हैं और त्यौहारों पर वह आवाम को संदेश देने के लिए भी अपने कदम ऐसे आगे बढा रहे हैं मानो आने वाले समय में उन्हें सरकार के अन्दर अपना भविष्य सुनहरा नजर आ रहा हो। चंद राजनेता मीडिया में छाने के लिए आये दिन नये-नये फंडे इस्तेमाल कर रहे हैं और चंद मंत्री भी इसमें पीछे नहीं दिख रहे और वह अपने आपको सरकार में नम्बर वन साबित करने के लिए कोई भी हथकंडा अपनाते हुए नजर आ रहे हैं यही कारण है कि कुछ मीडियाकर्मी चंद राजनेताओं की परिक्रमा करते हुए ही दिखाई दे रहे हैं।

टीम में मुझे जल्द ही देखेंगे:रैना

देहरादून। भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों अच्छा खेल रही है और टीम के कप्तान विराट कोहली हर मैच को चैलेंज के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ रहे हैं। यह बात भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कही।

आज देहरादून में कीमती कार खरीदने के लिए आये सुरेश रैना ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि भारतीय टीम इन दिनों मैदान में अच्छा खेल खेल रही है और भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली सभी टीमों के साथ होने वाले मैचों को चैलेंज के रूप में स्वीकार कर जीत के लिए हर मैच को खेलते हुए नजर आ रहे हैं जो कि भारतीय टीम के लिए शुभ संकेत है। उन्होने कहा कि वह भारतीय टीम मे वापसी के लिए कडी मेहनत कर रहे हैं वे भारतीय टीम के कोच पर पूछे गये प्रश्न पर हसते हुए उसे टाल गये और उनसे जब सवाल किया गया कि उन्हें कब देश के लोग टीम में खेलते हुए नजर आयेंगे तो उनका कहना था कि वह जल्द टीम में उनकी वापसी होगी। उन्होंने कहा कि नया साल भी आ रहा है और इस पर नया अध्याय भी शुरू होगा। इससे पूर्व आज दोपहर सुरेश रैना समाचार प्लस टीवी चैनल के सीइओ उमेश जयकुमार के साथ पटेलनगर में ओडी के शोरूम में पहुंचे जहां सुरेश रैना ने काले रंग की ओडी खरीदी। 87 लाख रूपये कीमत की ओडी खरीदते हुए रैना ने कहा कि वह यह गाडी दिल्ली से खरीदना चाहते थे लेकिन यह रंग वहां न मिलने के कारण उन्होंने यह गाडी देहरादून से खरीदी।

'बत्ती गुल मीटर चालू' के लिए अदाकारा का चयन अभी नहीं हुआ है: शाहिद

अभिनेता शाहिद कपूर का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' के लिए अदाकारा का चयन अभी नहीं किया गया है। ऐसी खबरें थीं कि कैटरीना कैफने निर्देशक श्री नारायण सिंह से फिल्म के सिलसिले में मुलाकात की और फिल्म के लिए हामी भर दी है। कैटरीना के फिल्म में होने के सवाल पर शाहिद ने कहा, ''फिल्म के लिए अभी किसी अभिनेत्री का चयन नहीं किया गया है। इस पर अंतिम निर्णय लिए जाने के बाद, आपको इसकी जानकारी दी जाएगी।''

शाहिद के फिल्म में एक वकील की भूमिका में नजर आने की अटकलें हैं। अभिनेता ने 'जीक्यू फैशन नाइट्स' के दौरान यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए, यह बयान दिया। पत्नी मीरा राजपूत के उन्हें फैशन के बारे में सलाह देने के सवाल पर शाहिद ने मजाकिया अंदाज में कहा, ''क्या कोई ऐसा क्षेत्र है, जहां पत्नी सलाह नहीं देती? पत्नी सब चीजों में शामिल रहती हैं। हम जीवन भर के साथी हैं और एक-दूसरे को हर चीज पर सलाह देते हैं।

सलमान ने भंसाली का किया समर्थन, कहा उनकी फिल्मों में गलत नहीं होता

अभिनेता सलमान खान आज फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की फिल्म ''पद्मावती'' के समर्थन में आगे आए हैं और उन्होंने कहा है कि देखने से पहले फिल्म के बारे में कोई राय बनाना ठीक नहीं है। ''खामोशी'', ''हम दिल दे चुके सनम'' और ''सांवरिया'' जैसी फिल्मों में भंसाली के साथ काम कर चुके 51 वर्षीय सलमान ने कहा कि भंसाली एक महान फिल्म निर्माता हैं। सलमान ने नेटवर्क 18 से कहा, ''फिल्म पद्मावती देखने से पहले कोई निर्णय नहीं करना चाहिए। संजय लीला भंसाली अच्छी फिल्में बनाते हैं और उनकी फिल्मों में कुछ भी गलत नहीं होता है।'' अभिनेता ने कहा कि इस बारे में निर्णय करने का अधिकार केवल केंद्रीय सेंसर बोर्ड को है कि फिल्म रिलीज के लिए उपयुक्त है या नहीं।

श्वेता त्रिपाठी इसलिए सीख रही है तमिल

सरवनन राजेंद्रन द्वारा निर्देशित फिल्म से तमिल फिल्म उद्योग में कदम रख रहीं अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी तमिल भाषा सीखने की कोशिश कर रही हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र के मुताबिक, यह फिल्म तमिल में डब नहीं होगी, फिल्म निर्देशक चाहते हैं कि वह भाषा सीखें, ताकि पर्दे पर ठीक ढंग से संवाद बोल सकें।

श्वेता ने कहा, ''मैं फिल्मों के लिए हमेशा कौशल या भाषा सीखने के लिए उत्सुक रही हूं और अब मैं तमिल सीख रही हूं। इसके अलावा, तमिल फिल्म देख रही हूं। मैंने गीतों की एक प्लेलिस्ट बनाई है, जिसे सुनकर मैं शब्दों को जान सकूं। कलाकार होना विद्यार्थी होने जैसा है और मेरी योजना शीर्ष स्थान पाने की है।''

फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है और श्वेता जल्द ही टीम में शामिल होंगी। श्वेता को इससे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म 'हरामखोर' में देखा गया था।

क्या मॉडल श्रद्धा शशीधर भारत को दिला पाएगी मिस यूनिवर्स का ताज

बॉलीवुड एक्ट्रेस लारा दत्ता ने 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था. इसके बाद से अब तक कोई भी मॉडल या एक्ट्रेस इस खिताब को अपने नाम नहीं कर पाई है। हालांकि, इस बार होने वाले मिस यूनिवर्स के कॉम्पिटिशन में मॉडल श्रद्धा शशीधर इंडिया को रीप्रिजेंट करने वाले हैं. उन्होंने इससे पहले मिस डीवा 2017 का खिताब अपने नाम किया है. श्रद्धा का जन्म चेन्नई में हुआ है और उनकी स्कूलिंग आर्मी पब्लिक स्कूल, देवलाली से हुई है।

उन्होंने सोफिया कॉलेज फॉर वुमेन से मास कॉम्यूनिकेशन में डिग्री ली है. वह पेशे से एथिलीट और मॉडल हैं. वह आर्मी फैमिली से हैं।

श्रद्धा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वह म्यूजिक, स्पोर्ट्स और एडवेंचर पसंद करती हैं। श्रद्धा मुंबई में रहती हैं और वग हिंदी, तमिल, बंगाली, पंजाबी भाषा बोल सकती हैं। श्रद्धा की फेवरेट एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हैं और उनके मिस डीवा बनने के बाद लोगों को उनसे काफी उम्मीद है। मिस यूनिवर्स का कोम्पिटिशन इस साल 26 नवंबर को लास वेगस, यूएस में होगा।

...तो धूम 4 में दिखेंगे शाहरुख खान?

बॉलिवुड के किंग खान उर्फ शाहरुख खान से हाल ही में पूछा गया कि क्या उन्हें धूम 4 के लिए रोल ऑफर किया गया है। इस पर शाहरुख ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे सिर्फ अफवाह करार दिया। बता दें कि काफी दिनों से इस तरह की खबरें आ रहीं थीं कि धूम 3 में आमिर खान के बाद अगला नंबर शाहरुख का हो सकता है। हालांकि, शाहरुख ने इस पर कहा, मैंने इस समय कोई नहीं फिल्म साइन नहीं की है। मैं इस तरह की खबरें पढ़ता रहता हूं। मैं फिलहाल जो फिल्म कर रहा हूं, उसे समय पर पूरा करने का प्रयास कर रहा हूं क्योंकि यही फिल्म काफी समय ले रही है। शाहरुख ने आगे कहा, मैं इसके लिए उपलब्ध नहीं रहूंगा। मैं अनुष्का शर्मा और कटरीना कैफ की डेट्स खराब नहीं कर सकता हूं।

इसके बावजूद जब शाहरुख से और जोर देकर पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उनसे इसके बारे में बात की गई है लेकिन शाहरुख ने कहा, मैंने आदित्य चोपड़ा, करण जौहर और अपने बाकी डायरेक्टर दोस्तों से कहा है कि मैं दिसंबर तक किसी फिल्म में काम नहीं करना चाहता हूं, वे इसे समझते हैं और इसका सम्मान भी करते हैं।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
मंगलवार, 14 नवम्बर 2017

राजमार्ग दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, एक अन्य घायल

शिमला। शिमला-रोहरू राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार टैम्पो ने कार को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह हादसा शिमला से करीब 35 किमी दूर हुआ। कार शिमला से रोहारू की ओर जा रही थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार टैम्पो ने उसे टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में भाई-बहन निशा और अनूप की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि चालक धर्मेन्द्र ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कार सवार एक अन्य घायल व्यक्ति अरुण को इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जाती है।

उत्तराखंड राज्य को सम्पन राज्य बनाना मुख्य चुनौती:कमल टावरी

ऋषिकेश अमित सूरी-पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कमल टावरी ने कहा कि उत्तराखंड भारत के 10वें हिमालय राज्य के रूप में अस्तित्व में आया है ,आज उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद अगली बड़ी चुनौती इस हिमालय राज्य को एक आर्थिक रुप से संपन्न ,सामाजिक न्याय के प्रति जागरुक और जन आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन वाले राज्य के रूप में स्थापित करने की है। यह बात कमल टावरी ने यहां आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही, उनका मानना था कि देश के सभी हिमालय राज्य इस राज्य से यह अपेक्षा रखते हैं ।कि यह राज्य हिमालयी राज्यों में हिमालयी क्षेत्रों के प्रशासन को एक नई दिशा दें ,और केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और पर्वतीय क्षेत्रों के प्रशासन का एक अनुकरणीय उदाहरण बने ।लेकिन आज भी पर्वतीय विकास की नीतियों का सर्वथा अभाव बना हुआ है इस राज्य में हमें ओर भी विकास की नई नीतियां स्थापित करनी होंगी ।कमल टावरी ने कहा कि आज वातावरण में निराशा सरकार पर अत्यधिक निर्भरता भिखारी पर की मानसिकता और रातों रात करोड़पति बनने की प्रबल इच्छा समाज में स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि देश के शिक्षण संस्थानों से निकले डिग्री धारकों को नौकरी नहीं मिल पा रही है इस राज्य के सामने बेरोजगारी एक चुनौती बन कर उभरी है। पूर्व सचिव भारत सरकार के टावरी ने कहा किआज गांव के युवा रोजगार की तलाश में क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पलायन कर रहे हैं। इसक पीछे सरकार की नीतियो का होना हैं ।उन्होंने कहा कि यदि सरकार प्रत्येक गांव में 25 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर गांव में ही स्थापित कर दे, तो पूरे राज्य की दिशा बदल जाएगी। उन्होंने हिमालय एक्शन रिसर्च सेंटर का उदाहरण देते हुए कहा कि यमुना घाटी में हॉट के प्रयासों से ही किसा?

किसानों ने खेती के पैटर्न में बदलाव कर नकदी फसलों का उत्पादन करना प्रारंभ कर दिया है। जिसे कि अब दिल्ली मंडी से जोड़ दिया गया आज इस इलाके में ज्यादातर पढ़े लिखे युवा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं उन्होंने कहा कि आज मॉडल की तलाश समय की आवश्यकता बन रही है उनका कार्य योजना आयोग का गठन किया जाना है । जो कि जन सहयोग से अपने पैरों पर खड़े होकर लोगों को गांव में ही रोजगार के साधन उपलब्ध करा सके। विकास केंद्र के नोडल अधिकारी डॉक्टर अरविंद दरमोडा ने इस अवसर पर कहा कि कमल टावरी के निर्देश पर 60 ऐसे मामलों को उत्तराखंड में चिन्हित कर दिया गया है। जो कि सरकार से हटकर स्वाभिमानाधारहित विकेंद्रीकरण से परिपूर्ण शहरीकरण से बचकर उपयुक्त तकनीकी को पर्यावरण पूरक ढंग से इस्तेमाल करते हुये आमजन के लिए प्रेरणादाई मॉडल के रूप में दिखाई दे ।इस अवसर पर प्रेम पंचोली, तेजराम सेमवाल ,जे.पी.भट्ट, विजय बहुखंडी भी उपस्थित थे।

पी-एम- की कौशल विकास योजना के अंतर्गत मजदूरों को दिया गया प्रशिक्षण

ऋषिकेश। नरेंद्र मोदी के कौशल विकास योजना के अंतर्गत निर्माण कर्मियों के लिए योग्यता पर आधारित पूर्व सीख की मान्यता प्राप्त निर्माण करने के लिए आयोजित किए गए अखिल भारतीय सर्व

जन समाज कल्याण समिति द्वारा चंद्रेश्वर नगर में प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतर्गत 300 से अधिक कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।

मंगलवार को चंद्रेश्वर नगर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार व राज्य सरकार से आए सिविल ट्रेनर संजीव प्रसाद व मानव रंजन तथा डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर धर्मेंद्र तिवारी ने इस अवसर पर बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा निर्माण कार्यों में लगे राज मिस्त्री हो, या मजदूर सभी को प्रशिक्षित किया जाता है। जिसमें उंहें 120 घंटे की ट्रेनिंग दी जाती है, महिलाओं को सिलाई बुनाई के अतिरिक्त लड़कियों को अनेक प्रशिक्षण भी दिये जाते है, सरकार की योजनाएं है कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वालो को उन्हें पारिश्रमिक दिया जाएगा साथ ही इनका पंजीकरण भी होगा ताकि बड़ी कंपनियों द्वारा इनकी जब आवश्यकता पड़ेगी, तो इन्हें हायर कर लिया जाएगा। क्योंकि यह पहले से ही प्रशिक्षित होंगे इन्हें आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। जो कि 15दिनों तक दिया जायेगा ।इस अवसर पर कुमार रावत, राजाभाऊ शास्त्री ,रामदास प्रेम नाथ राव, संजय कुमार, मुन्ना भारती, अरुण कुमार, दिनेश कुमार टिकम राम शर्मा, मुसाफिर प्रसाद ,त्रिभुवन भारती, सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

56 लाख रूपये की लागत से बनी सड़क टूट पेमेंट होने से पूर्व टूटी

ऋषिकेश। ग्रामीण क्षेत्र खदरी खड़कमाफस्थित खेतों की ओर जाने वाली डेढ़ किलोमीटर लम्बी सड़क का निर्माण गत वर्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा ठेके पर बनवायी गयी थी जिसका भुगतान भी अभी पूरा नही हुआ है किंतु सड़क इस बर्षात में ही क्षतिग्रस्त हो गयी जी पर किसान चोटिल हो रहे हैं।विदित हो कि सड़क बनाने वाले ठेकेदार के साथ कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी ठेके में शामिल हो गए थे जिसके कारण निर्माण में अनियमितता करना ठेकेदार के लिए आसान हो गया और स्थानीय जनता ने जब घटिया निर्माण की आवाज उठाई तो उन्हें चुप करा दिया गया।लेकिन ग्रामीणों की बुलन्द आवाज की गाज कृषि भूमि पर गुपचुप तरीके से बनाये जा रहे एक स्कूल निर्माता पर गिर गयी।सड़क के ठेकेदारों ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि निर्माणाधीन स्कूल के भारी वाहनों के चलने से सड़क समय पूर्व टूट गयी है जिसका पुनर्निर्माण स्कूल स्वामी को अपने खर्चे पर कराना होगा।कुछ जागरूक ग्रामीण सड़क घोटाले को जिलाधिकारी देहरादून के संज्ञान में लाने की तैयारी में हैं।देखना यह है कि क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग ठेकेदार से करवाता है या सड़क के ठेकेदार निर्माणाधीन स्कूल स्वामी से सड़क बनवा कर मामले को रफा दफा करते हैं।फिलहाल सड़क की बदहाल स्थिति का रोना पूरा गाँव रो रहा है किंतु इन्तजार इस बात का है कि कितनी जल्दी ग्रामीण सड़क घोटाले की जाँच होती है और किन किन कसूरवारों पर सड़क घोटाले की गाज गिरती है।स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल दल शीघ्र ही इस संबंध में जिलाधिकारी से मिलेंगे।सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्त्ता विनोद जुगलान ने प्रसाशन से खदरी सड़क घोटाले के जांच की मांग की है।

बाल दिवस पर तमाम शैक्षणिक संस्थाओं मे आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

बच्चे देश का भविष्य और कल की उम्मीद:पूनम

ऋषिकेश। देश भर के साथ तीर्थ नगरी मे भी देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म दिवस बेहद उत्साह पूर्वक मनाया गया।

14 नवंबर यानी बाल दिवस चिल्ड्रेंस डे। बच्चे देश के उज्जवल भविष्य हैं। शहर की तमाम शिक्षण संस्थाओं मेक्षभारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जंयती को बाल दिवस के रूप में मनाया गया।इस अवसर पर स्कूलों मे बच्चों की विभिन्न खेलकूद की प्रतियोगिताओं के आयोजन सहित पंडित नेहरू के जीवन वृत्तांत पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया था,जिसमे बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।हरीशचंद्र आर्दश बालिका इण्टर कालेज मे खेलकूद के आयोजन के प्रश्चात आयोजित गोष्ठी मे प्रधानाध्यापिका पूनम शर्मा ने चाचा नेहरू के सम्पूर्ण जीवन पथ पर प्रकाश डाला।अपने सम्बोधन मे उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू भारत की आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री बने। 14 नवंबर को भारत में इनके जन्मदिन को ही बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।पंडित नेहरु को आदर और सम्मान देने के लिये इसे मनाया जाता है। वो भारत के पहले प्रधानमंत्री होने के साथ बच्चों के सच्चे साथी भी थे। उन्हें बच्चों से बेहद लगाव था और वो हमेशा उन्हें दिल के पास रखते थे। बच्चों के द्वारा उन्हें चाचा नेहरु कहा जाता था। बच्चों के बीच वह चाचा नेहरू के नाम से बेहद लोकप्रिय थे। भारतीय प्रधानमंत्री के रुप में अपने व्यस्त जीवन के बावजूद भी वो बच्चों से बेहद लगाव रखते थे। बाल दिवस की परम्परा 1956 से से चली आ रही है।प्रधानाध्यापिका श्रीमती शर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं इसलिये ये जरुरी है कि उन्हें प्यार और उनकी देख-भाल की जाए, जिससे वो अपने पैरों पर खड़े हो सकें। हमें उन्हें आगे बढ़ाने की जरुरत है जो मुमकिन है जब सभी भारतीय अपनी जिम्मेदारियों को समझें। बच्चे देश का भविष्य हैं तथा बहुत ही कीमती हैं, ये हमारे कल की उम्मीद हैं। बाल दिवस उत्सव उनके भविष्य के संदर्भ में एक अच्छा कदम है।

चाचा नेहरू को बच्चों से था प्यार इस दिन (14 नवंबर) बच्चों के अधिकार, देखभाल और शिक्षा के बारे में लोगों को जागरुक किया जाता है। भारत के अलावा बाल दिवस दुनिया भर में अलग अलग तारीखों पर मनाया जाता है।इन सबके बीच श्री भरत मन्दिर इण्टर कालेज,राजकीय बालिका इण्टर कालेज,पंजाब सिंध क्षेत्र

इण्टर कालेज,डी एस बी ,एन डी एस,माडर्न स्कूल,गुरूकुल प्राईमरी स्कूल सहित सभी विधालयो मे बाल दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया।उधर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस पर हरिद्वार रोड़ स्थित कार्यालय मे उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।कांग्रेस प्रदेश महासचिव जयपाल जाटव के नेतृत्व मे आयोजित हुए कार्यक्रम मे जतिन जाटव,जोगेंद्र प्रजापति, आशीष राय ,बृजेश निगम,ओमप्रकाश, मंगल सिंह, विनय दूबे,संजय कश्यप, अनिल शर्मा, विनोद चौहान आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

किट्टी खेल में धोखेबाज

उत्तराखण्ड की राजधानी में सैकडों होटलों व रेस्तराओं में आये दिन किट्टी का खेल खेला जा रहा है और सैकडों धोखेबाज आवाम का पैसा लेकर गायब भी हो रहे हैं इसमें सबसे ज्यादा महिलाओं के साथ बडी ठगी होती हुई नजर आ रही है इस किट्टी के खेल में सबसे ज्यादा सुनार महिलाओं को बडा चूना लगाते हुए नजर आ रहे हैं। 12 से 2० महीने तक किट्टी का पैसा लेने वाले महिलाओं व युवकों को सुनहरा सपना दिखाते हैं कि उन्हें इस खेल से एक साथ पैसा मिल जायेगा और हर माह कुछ लोगों की किट्टी भी निकाली जाती है जिसके लिए उन्हें पैसे एक माह बाद दिये जाते हैं इस किट्टी के खेल में कुछ लोगों को तो पैसा मिल जाता है लेकिन अधिकांश लोगों के साथ धोखेबाजी का खुलकर राजधानी के अन्दर ताडंव चल रहा है। गढवाल रेंज के डीआईजी ने राजधानी पुलिस को आदेश दिये थे कि वह उन लोगों की सूची तैयार करें जो कि राजधानी में अवैध रूप से किट्टी का धंधा कर रहे हैं। डीआईजी के आदेश पर सूची बनी या नहीं बनी यह तो रहस्य ही है लेकिन राजधानी के अधिकांश छोटे होटलों व रेस्तराओं में आये दिन किट्टी चलाने वाले कई-कई ग्रुप चला रहे हैं इनमें से कई किट्टी चलाने वाले तो बडे सम्पन्न हैं और वह ग्राहकों का पैसा दे देते हैं और हर किट्टी पर तमोला तो खिलाया ही जाता है साथ में लंच व ब्रेकफास्ट का भी लालच देकर ग्राहको को अपनी ओर आकर्षित किया जा रहा है। सुनारों के यहां जो किट्टी का खेल चल रहा है उसमें सुनारों द्वारा शर्त रखी जाती है कि जिसकी किट्टी पूरी होगी उन्हें दुकान से ही सोने के जेवरात लेने होंगे। ऐसे में शंका रहती है कि सुनार के पास से जो सोना लिया जायेगा वह शुद्ध होगा या नहीं होगा इसकी कोई गारंटी रहेगी या नहीं रहेगी काफी बडा सवाल रहता है लेकिन ऐसे जेवरातों की किट्टी डालने के लिए महिलाओं को सबसे ज्यादा आगे आते हुए देखा जा रहा है और किट्टी के बदले सोने के जेवरात खरीदनें के लिए उन्हें मजबूर होना पडता है ऐसे में इस बात का आभास नहीं हो पाता कि सुनार ने जो जेवरात दिये हैं वह पूरी तरह से असली भी हैं या नहीं। राजधानी में तेजी के साथ चल रहा किट्टी का यह अवैध व्यापार अब तक कई किट्टी संचालकों के लिए भी मौत का कारण बन चुका है क्योंकि किट्टी संचालक अपने पास जमा होने वाले पैसे से ऐश कर लेता है और उसके बाद जब किट्टी खेलने वालों को पैसा देने के लिए नहीं होता तो या तो वह इलाका छोडकर भाग जाता है या फिर उसे मौत को गले लगाने के लिए आगे आना पडता है। राजधानी में यह सब अवैध किट्टी का कारोबार पुलिस की नाक के नीचे हो रहा है लेकिन इस गोरखधंधे को रोकने के लिए पुलिस ने अभी तक कोई कदम आगे बढाये हों ऐसा देखने को नहीं मिल पा रहा है जिससे किट्टी का अवैध कारोबार करने वालों ने अपने इस गौरखधंधे को तेजी से आगे बढाना शुरू कर रखा है। इस काले कारोबार में उन महिलाओं के साथ बडा धोखा हो रहा है जो 12 से 2० महीने तक अपना पैसा किट्टी संचालकों को देती हैं और जब पैसा लेने की बारी आती है तो किट्टी संचालक अपना अड्डा छोडकर फरार हो जाते हैं ऐसे में महिलाओं के साथ कितना बडा धोखा होता है यह वही महिला जान सकती है जिसने अपना एक-एक पैसा जोडकर किट्टी में लगा रखा होता है क्योंकि उसे इस बात का इल्म रहता है कि उसे एकसाथ पैसे मिल जायेंगे लेकिन इस लालच में वह अपना जमा पैसा भी किट्टी संचालकों को दे देती हैं। राजधानी में ही दर्जनों किट्टी संचालक ऐसे हैं जो कि सैकडों महिलाओं का पैसा लेकर फरार हो चुके हैं और पुलिस ऐसे संचालकों पर नकेल लगाने के लिए एक कदम भी आगे बढने को तैयार नहीं होती। गढवाल रेंज के डीआईजी के आदेश तो कौन सी रद्दी की टोकरी में धूल फांक रहे हैं जिसमें उन्होंने किट्टी संचालकों के खिलाफ कार्यवाही करने का दम भरा था।

राज्यसभा उम्मीदवारों को लेकर आम आदमी पार्टी में खींचतान बढ़ी

अगले साल जनवरी में खाली हो रही दिल्ली की तीन राज्यसभा सीटों पर उम्मीदवारों के चयन को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) में अभी भी संशय की स्थिति है। पार्टी अभी भी यह तय नहीं कर पायी है कि इसके लिये आप के नेताओं को ही उम्मीदवार बनाना है या पार्टी से इतर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिष्ठित व्यक्तियों को उच्च सदन में भेजना है। आप की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने बताया कि पार्टी नेतृत्व अभी इस बारे में किसी निर्णय पर नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इस बारे में पार्टी नेतृत्व विचार विमर्श कर संभावित उम्मीदवारों के नामों को आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के समक्ष अंतिम फैसले के लिये भेजेगा। पीएसी ही तीन अधिकृत उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगायेगी। दिल्ली से राज्यसभा की तीनों सीटें फिलहाल कांग्रेस के पास हैं लेकिन अगले साल 28 जनवरी को खाली हो रही इन तीनों सीटों पर 7० सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में 66 विधायकों वाली आप के उम्मीदवारों का जीतना लगभग तय है। हाल ही में राज्यसभा के लिये आप द्वारा रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन को उम्मीदवार बनाने की पहल तेज करने के साथ ही पार्टी में उम्मीदवरों के चयन को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गयी है। हालांकि राजन ने आप नेतृत्व द्वारा इस बारे में कोई संपर्क किये जाने से इंकार करते हुये राज्यसभा की सदस्यता स्वीकार करने को लेकर अनिच्छा जता दी है। राजन को राज्यसभा की पेशकश करने की पुष्टि करते हुये पार्टी के एक नेता ने बताया कि राज्यसभा के लिये आप के किसी नेता के बजाय विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नामित किया जायेगा। राय ने पार्टी के किसी नेता या बाहर के व्यक्ति को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाने को लेकर स्पष्ट किया कि पार्टी में इस बात को लेकर अभी दो मत बरकरार हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं का एक पक्ष राज्यसभा की सदस्यता के सैद्धांतिक मानकों की वकालत करते हुये आप नेताओं के बजाय प्रतिष्ठित व्यक्तियों को संसद के उच्च सदन में भेजने का पक्षधर है। जबकि एक अन्य समूह पार्टी के नेताओं को ही उम्मीदवार बनाने का हिमायती है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के विचारों पर अभी मंथन चल रहा है। इस बारे में अंतिम फैसला पीएसी करेगी। उल्लेखनीय है कि आप नेता कुमार विश्वास भी राज्यसभा की उम्मीदवारी पर पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा के हवाले से दावा जता चुके हैं।

फिल्म 'पद्मावती' सती प्रथा कानून का उल्लंघन करती है: विज

चंड़ीगढ़। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'रानी पद्मावती' पर इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने और 'सती' प्रथा से संबंधित कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुये कहा कि सेंसर बोर्ड को जनता की भावनाओं का ध्यान रखते हुये इसकी रिलीज रोक देनी चाहिए। अपने बयानों के कारण अक्सर विवादों में रहने वाले मुखर मंत्री ने आरोप लगाया कि फिल्म में महान रानी के ''आपत्तिजनक'' चित्रण से उनकी छवि खराब हुई है।

विज ने सोमवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्मृति ईरानी को पहले से ही इस संबंध में लोगों की भावनाओं के अवगत करा दिया गया है। विज ने कहा, ''रानी पद्मावती देश का गौरव थीं। युद्ध में राजा राण रतन सिंह की मौत के बाद उन्होंने 16,००० महिलाओं के साथ जौहर कर लिया था। इतने ऊंचे चरित्र वाली रानी को जनता के सामने नाचते हुये दिखाना अपमान की बात है। यह बहुत आपत्तिजनक है, क्योंकि इसमें इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गयी है।'' उन्होंने कहा कि देश में सती प्रथा पर पूरी तरह प्रतिबंध है और ऐसी फिल्म को अनुमति नहीं दी जा सकती जिसमें सती प्रथा को बढ़ावा दिया गया हो। यह कानून का उल्लंघन है।

VINAYAK SURGICAL CENTRE
विनायक सर्जिकल सेन्टर
काली मन्दिर कॉलोनी के सामने, जी.एम.एस. रोड, देहरादून

डॉ मनीष आनन्द
MBBS DNB (General Surgery)
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
पित की थैली की पथरी, हर्निया, अपेंडिक्स, गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट
बवासीर, हाइड्रोसील, बच्चेदानी की रसौली, स्तन का कैंसर आदि

डॉ.पी.के. सिंघल
MBBS. MD (Medicine)
फिजीशियन
श्वसन रोग (दमा व अलर्जी) हृदय रोग,
उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) मधुमेह (डायबिटीज)

दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
ENT :- नाक, कान, गले के हर तरह के ऑपरेशन की सुविधा
ECG, NEBULISATION, PATHOLOGY LAB (BLOOD TEST)
24 घंटे इमरजेंसी सेवा
फोन : 8439805474

कार्यालय पताः-
विंडलास शौपिंग काम्पलैक्स
(एमबैस्डर होटल)

शॉप नंः-38
नियर धारा चौकी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।

क्लीन चिट से दूध का धुला

सबसे पहले 17वीं और 18वीं सदी में अंग्रेजी शब्द 'चिट' का उद्भव हुआ जिसका मतलब था 'स्प्राउट' (अंकुर)। ब्रिटिश शब्द कोष में 'चिट' का मतलब एक दिलेर या अभिमानी लड़की था। यूं तो क्लीन चिट कानूनी भाषा में गहरे मतलब लिये हुए है मगर आज के लोकतंत्र और राजनीतिक हलकों ने इसे सबसे ऊंचे पायदान पर रखा है। चिट में क्लीन शब्द हम भारतीयों ने बहुत कुशलता और शान से जोड़ा है। जिस किसी दोषी या निचली कोर्ट में सजायाफ्ता को अपर कोर्ट क्लीन चिट दे तो यानी वो, दूध का धुला है। वो क्रिस्टल की तरह पारदर्शी है। खरा सोना है। अपरास्त है, उसके ऊपर कानून की कोई धारा नहीं लग सकती। व्यापम घोटाले में मध्यप्रदेश के मुखिया को, राजस्थान में कालीन स्कैम में मुखिया को, गुजरात के गोधरा कांड और अन्य मामलों में दर्जनों अभियुक्तों, मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों को, आरुषि मर्डर केस में माता-पिता को, काले हिरण के शिकार, हिट एंड रन में, रेप केसों में जिन्हें भी क्लीन चिट मिली वो यशस्वी हो गये।

एक प्रदेश में तो ऐसा अध्यादेश आया है कि सरकार स्वयं ने अपने 'पब्लिक सरवेंट' को 18० दिन के लिये क्लीन चिट दे दी कि वो इस दौरान चाहे वह अपराध, भ्रष्टाचार, या दुष्कर्म करे तो उससे बचने के उपाय भ ी

ढ ू ं ढ. क्योंकि मीडिया में कुछ नहीं दिखाया जायेगा। कोई भी, कुछ भी उसके विरुद्ध प्रकाशित नहीं कर पायेगा। उसे इम्यूनिटी प्राप्त है। क्लीन चिट पाने में और दिलाने में सत्ताधारी पार्टी का सिक्का चलता है। अगर किसी अपराधी के सत्ताधारी पार्टी से बेस्ट क्नेक्शन हैं या वो बहुत धनी है तो क्लीन चिट पाने में समय और श्रम जरूर लगता है पर वो मिल जरूर जाती है। बहुआयामी चिट जिसको अवॉर्ड होता है उसे ऐसा दांव-पेंच खेलकर ये साबित करना या कराना पड़ता है कि अब तक के सबूत झूठे थे। क्लीनचिट की घोषणा होने के बाद ये सोचना पड़ता है कि फिर काले हिरण अपने आप मर गये होंगे या फुटपाथ पर सोने वाले नींद में करवट बदल कर सड़क पर ही आ गये होंगे। किसी भी प्रदेश का मुखिया गबन, स्कैम कैसे कर सकता है? मर्डर तो हुआ पर मरने वाला एक ठोस सबूत तो छोड़ जाता। रेप कैसे हुआ जब एक भी गवाह सामने नहीं आया। देशभर में अप्राकृतिक हादसों की हर रोज मीडिया में सुर्खियां देखने और पढ़ने को मिलती हैं।

ट्रांसफार्मर ब्लास्ट हो या एनटीपीसी में विस्फोट; इंजीनियर्स को हमेशा क्लीन चिट दे दी जाती है। ट्रेन हादसे, हवाई क्रेश, पुल-मंदिर-मेले-खेल के मैदान में भगदड़ में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो तो उसमें प्रशासन की चिट कैसे दागरहित हो सकती है? देश के कर्णधारों ने क्लीन चिट को आलू पर स्प्राउट की तरह उगाना शुरू कर दिया है। प्रशासन और सरकार दिलेर है, अभिमान की हठधर्मिता ताने हैं चाहे जो हो जाये। क्लीनचिट यानी एकदम पाक इंसान। क्लीन चिट वाला तो अपराजित है।

प्रसंगवश : देह और देहातीत

देह को लेकर हमारी चिंता आज अनेक दिशाओं में डोलती फिरती है, हो भी क्यों न. इसी के सहारे तो दुनिया में हमारा संचरण होता है. इसे संभाल और संजो कर रखना जरूरी होता है. देह से हमारा नेह बड़ा गहरा होता है. हम देह का उत्सव मनाते हैं पर जीवन का यह उत्सव आसन्न मृत्यु-भय की छाया तले होता है. पैदा होना, जीना और समेटना जीवन का क्रम अटूट सांसारिक नियम है।

याद रहे कि देह की अनोखी रचना का मूल स्वभाव या फितरत यह भी है कि वह जीवन में अपना रूप बदलता रहता है. मोटे तौर पर बचपन, युवा, प्रौढ़ता और बुढ़ापे के पड़ावों से गुजरते हुए शरीर स्थिर न रह कर निरंतर बदलता रहता है. शरीर को हमने अपनी परंपरा में कई नाम दे रखे हैं, जिनकी अलग-अलग अर्थ-छटाएं हैं. उसे काया, गात्र, कलेवर, मूर्ति, विग्रह, पिंड और भी जाने क्या-क्या नाम दिए गए हैं. हमारा शरीर शुद्ध भौतिक है पर उसे परमात्मा का गेह माना जाता है, उसका अंश भी. आप उसे जो भी समझ लें पर शरीर निरंतर बदलता रहा है. नाशवान और क्षरणशील होने पर भी पर उसकी शक्ति और उपलब्धि विलक्षण होती है. जीवनी-शक्ति (प्राण) शरीर में ही रहता है, और शरीर की सारी शक्ति उसी प्राण के जरिए ही आती है।

यह अजीब-सा अंतर्विरोध है कि खुद क्षण भंगुर होने पर भी शरीर माध्यम बनता है बड़ी-बड़ी उपलब्धियों का जो खुद उसके समय के पार बहुत दूर तक जाती हैं. सचमुच शरीर कर्तृत्व की साधना का निमित्त है, और वह (जो वह नहीं है) उसे करके मिसाल स्थापित करता है. वह ऐसी भौतिक रचना वाला जैविक यंत्र है, जो बड़ा लचीला है, सीख सकता है, और स्वयं अपने को भिन्न तरीकों से ढाल सकता है यानी अनित्य होकर नित्य रचने-रचाने के लिए उद्यत यह शरीर स्वयं को निर्देशित तथा नियमित कर सकता है. भारतीय सोच में अक्सर एक रूपक की शैली में शरीर और शरीरी की जोड़ी बनती है. हम शरीर को 'पुर' (प्रासाद) यानी घर मानते हैं, और उस 'पुर' में रहने वाला 'पुरु ष' होता है. इसे आठ चक्रों और नौ द्वारों वाली देव-नगरी माना गया है. निश्चय ही देह एक संरचना है, जो स्वयं तो चेतन नहीं है पर जिसमें चेतना जरूर बसती है. जो सतत विकासशील या कहें परिवर्तनशील है अर्थात इसमें अनंत संभावनाएं छिपी हुई हैं. शरीर के रूप में मन, बुद्धि, वाणी और सारी ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों को साथ लेकर हमें एक अद्भुत पर बेहद नाजुक उपकरण मिला हुआ है, जो स्वतंत्र भी है और परतंत्र भी।

शरीर की गति या व्यवहार सिर्फ मन और बुद्धि से ही नहीं संचालित होते; उसके लिए बाहरी परिस्थितियां भी महत्त्वपूर्ण होती हैं. दोनों संयुक्त रूप से मिल कर काम करते हैं. उपनिषद् और गीता में शरीर को रथ, आत्मा को रथ पर आरूढ़ सवारी (रथी), बुद्धि को सारथी और मन को लगाम (प्रग्रह) कहा गया है. इन्द्रियां घोड़ों की तरह हैं, जिन्हें अनियंत्रित छोड़ दिया गया तो वे शरीर को किसी भी दिशा में ले जा सकती हैं, और उसके घातक परिणाम हो सकते हैं. मात्र शरीर के साथ जुड़ने से अहंकार का भाव प्रबल होता है. इन्द्रियां और उनसे जुड़ी इच्छाएं प्रबल होती हैं, और चंचल मन को अपनी ओर खींचती रहती हैं. उनका नर्तन निरंतर चल रहा है. वैसे शरीर में त्वचा के नीचे जो कुछ भरा है, वह वीभत्स है और मलयुक्त भी. पञ्च महाभूतों अर्थात पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु से निर्मित यह स्थूल शरीर वैसे तो कोई विशिष्टता नहीं रखता पर चैतन्य उसे प्राणवान बनाता है, और सक्रिय करता है।

नचिकेता ने शरीर और भौतिक वैभव की नरता और आत्मज्ञान की आवश्यकता की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट किया था. सांसारिक विषयों की ओर आकषर्ण कठिनाइयों को जन्म देता है क्योंकि विषयों की श्रृंखला चलती ही रहती है. एक चाह पूरी हुई नहीं कि दूसरी जग जाती है. शायद इसीलिए अपने को जानो 'आत्मानं विद्धि' का आह्वान किया गया है. जो आत्मविद् नहीं होते उनके लिए शरीर भार होता है. शरीर आत्मानुभवों का साधन (भोगायतन) है. प्रिय और अप्रिय का पता शरीर के माध्यम से चल पाता है. चेतना का संस्कार शरीर को उदात्त मूल्यों की ओर ले जाता है. देह के साथ शील और करुणा जैसे मूल्यों को जीवन में इतर कर जीवन में ही मुक्ति का अनुभव संभव है. देहातीत होना संभव है, यदि देह का अनुशासन हो. योग में चित्त वृत्तियों के नियमन की बात भी यही कहती है. कहा गया है,'ब्रह्म का व्यक्त रूप आनंद है, और वह शरीर में ही व्यवस्थित है.' अत: शरीर बंधन नहीं है बशर्ते उसे संभाल कर रखा जाए. देह से देहातीत की यात्रा संभव है।

धनबल से लोक की आज़ादी को खतरा

समानता और सर्वकल्याण जैसी संकल्पना लोकतंत्र की मूल भावना में निहित हैं। विडंबना है कि भारतीय राजनीति में यह संकल्पना कहीं गुम हो गई है। यही कारण है कि लोकतंत्र के पर्व चुनाव में गरीब, मजदूर और किसान की कोई पूछ नहीं होती, क्योंकि इस पर्व में सिर्फ पैसा बोलता है। अगर, अवैध धन की बात छोड़ भी दें तो आधिकारिक रूप से भी गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों को 28 लाख रुपये तक खर्च करने की छूट दी गई है। जब चुनाव आयोग ने यह रकम तय की है तो इसका अर्थ है कि चुनाव आयोग भी मानता है कि चुनाव जीतने के लिए 28 लाख रुपये की ज़रूरत है। लिहाजा यह अवधारणा कई सवाल खड़े करती है। पहला, अगर किसी मजदूर या किसान को चुनाव लड़ना हो तो वह इतनी रकम लाए कहां से? क्योंकि संविधान तो हर किसी को समानता का अधिकार देता है। दूसरा, फिर क्या मान लिया जाए कि इस देश में गरीब हमेशा याचक और अमीर हमेशा स्वामी के अवतार में ही रहेंगे? क्योंकि 28 लाख की चौड़ी खाई कभी पट नहीं सकती।

कहने को तो हम 7० सालों से आजाद हैं। लेकिन, सही अर्थों में आप आजादी किसे कहेंगे? इसे तो बिल्कुल भी नहीं जिसमें एक तबका सभी सुख-सुविधाओं का भोग कर रहा हो, लेकिन दूसरा तबका भूखा पेट सोने को विवश हो। यह तो बिल्कुल भी आजादी नहीं है कि खुद को जनता का सेवक कहने वाले हजारों नेता एयर कंडीशनर घरों और गाड़ियों में रहें और लोकतंत्र की मालिक जनता को फुटपाथ भी नसीब नहीं हो रहा हो। जब देश के सियासतदानों की संपत्ति में बेतहाशा वृद्धि हो रही हो और देश की गरीब जनता भूख से मर जाए तो क्या इसे आजादी कहेंगे? एक विश्लेषण तो बेहद चौंकाने वाला है। गुजरात की 182 तथा हिमाचल प्रदेश की 68 सीटों का योग 25० होता है। फिर प्रत्येक सीट पर उम्मीदवारों का औसतन खर्च एक करोड़ रुपये ही लें, तो कुल खर्च ढाई अरब रुपये होते हैं। इतनी बड़ी रकम सुनने में किसी तिलिस्म से कम नहीं लगती और इस चकाचौंध में लोगों के जायज़ मुद्दे हमेशा दबते चले जाते हैं। देश के एक हिस्से में अरबों का खेल खेला जा रहा हो और दूसरे हिस्से में भोजन के अभाव में लोग दम तोड़ रहे हों, तो इसे क्या कहेंगे आप?

झारखंड में भुखमरी की वजह से लगातार हो रही मौतें सरकारी अमले की ही पोल नहीं खोलता, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता और उसकी निष्ठा पर भी सवाल खड़े करता है। फिर इन करोड़ों-अरबों का क्या औचित्य है जब खाद्यान्न के अभाव में लोगों की मौतें हो रही है? सवाल है कि भारतीय राजनीति की प्राथमिकताएं क्या हैं? जिस दिशा में यह राजनीति आगे बढ़ रही है, उससे असमानता की खाई कभी भी पटने वाली नहीं है। नतीजतन, एक तरफ भारत और दूसरी तरफ इंडिया का निर्माण स्वत- होने लगा है। सियासतदान चाहे कितना भी दावा कर लें, लेकिन सच्चाई यही है कि संविधान के उद्देश्य की प्राप्ति की कोई भी पहल नहीं हो रही है।

फिर सवाल है कि आगे का रास्ता क्या हो? व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि राजनीति में प्रत्येक नागरिक को समान रूप से अवसर मिले। कहने को सभी समान हैं, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। अवसर इस प्रकार से मिले कि एक मजदूर या किसान को भी अपनी चुनावी जीत का भरोसा हो। यह तभी संभव है जब चुनाव में रुपयों का खेल बंद हो। इससे सभी वर्गों के लोगों को प्रतिनिधित्व का अवसर मिल पाएगा। लिहाजा, देश के विकास में विभिन्न प्रकार की सोच को जगह मिल सकेगी। अगर, ऐसा नहीं हुआ तो देश की राजनीति में धनी वर्ग का ही बोलबाला रहेगा और देश की अधिकांश आबादी राजनीति भागीदारी से वंचित रह जाएगी। नतीजतन, इससे राजनीति का विकास कतई नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीति पराभाव की ओर अग्रसर हो जाएगा।

गौर करें तो नई व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर भी लगाम लग सकेगी। उम्मीदवारों को चुनाव में खर्च किसी व्यवसाय में निवेश से कम नहीं लगता। चुनाव में लाखों करोड़ों का खर्च उम्मीदवारों को महत्वाकांक्षी बना देता है और उस खर्च को वह हर हालत में वापस पाना चाहता है। इसके लिए वह कई तरह के हथकंडे अपनाता है। लिहाजा, यह सोच उन्हें चुनाव नतीजों से पहले ही भ्रष्ट बना देती है। पैसे के खेल पर अंकुश लगा कर अगर चुनावी प्रक्रिया को साफ-सुथरी बनाई जाए तो इससे भ्रष्टाचार को काफी हद तक कम किया जा सकता है। 'नो प्रोफिट नो लॉस' के तर्ज पर चुनाव लड़ने से जनसेवा की भावना को भी बढ़ावा मिल सकेगा। लिहाजा, राजनीतिक सुचिता पर कोई सवाल भी नहीं उठा सकेगा। बहरहाल, इस दिशा में हमें संजीदगी से सोचना ही होगा, अन्यथा धन अर्जित करना भारतीय राजनीति के लिए नासूर बन जाएगा और संविधान और लोकतंत्र की मूल भावना तक हमारी पहुंच दूर की कौडी साबित होगी।

ट्रेफिक व्यवस्था ठप्प

ऋषिकेश। मंगलवार, समय सुबह दस बजे रामझूला मे जबरदस्त जाम।दोपहर 12 बजे तपोवन क्षेत्र मे तगड़ा जाम वाहनों मे घंटो फंसे रहे श्रद्धालु। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लम्बी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया।दोपहर एक बजे श्यामपुर पुलिस चौकी के समीप करीब ढेड किमी का लम्बा जाम ।पर्यटकों के वाहन जाम मे फसें ।जाम खुलवाने मे हल्के ठंडे मौसम मे भी पुलिस के पसीने छूट गये।

तीर्थ नगरी मे अब सिर्फ वीकेंड पर नही बल्कि सप्ताह के सभी सातों दिनों मे जाम की तस्वीर दिखने लगी होता।आज भी दिनभर कुछ इस तरह के हालात रहे अतंर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश मे।मंगलवार का दिन सैलानियों पर बेहद भारी साबित हुआ।प्रशासन के जाम से निपटने के लिए की गई तमाम कवायद आज फेल होती नजर आयी।

पटरी से उतरी यातायात व्यवस्था का आलम यह रहा रहा कि दिनभर पर्यटकों को तगड़ा जाम झेलकर हलकान होना पड़ा ।इस दौरान वाहनों पर ब्रेक लगी हुई नजर आई ,काफी मशक्कत के बाद जब पुलिस ने जाम खुलवाया तो भी हालात कुछ ही देर मे जस के तस नजर आने लगे और अपने गंतव्यों की और पहुचंने मे पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के पसीने छूट गये। पर्यटको के सेलाब मे तमाम व्यवस्थाएं दम तोड़ती हुई नजर आई और लोगों को दिनभर तगड़ा जाम झेलने के लिए विवश होना पड़ा।

श्रद्धालु, पर्यटक और पुलिस सभी हुये 'हलकान'

कांग्रेस अध्यक्ष दो दिवसीय गढवाल भ्रमण पर

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह दो दिवसीय गढ़वाल भ्रमण के दौरान 16 नवम्बर, 2017 को श्रीनगर, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, चमोली एवं जोशीमठ में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे तथा 17 नवम्बर को राज्य सरकार द्वारा नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में बिना आम सहमति के किये गये सीमा विस्तार के विरोध में देवप्रयाग में आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन में प्रतिभाग करेंगे। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता मथुरादत्त जोशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह 16 एवं 17 नवम्बर, 2017 को गढ़वाल भ्रमण के दौरान श्रीनगर, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, चमोली एवं जोशीमठ में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे तथा दिनांक 17 नवम्बर को राज्य सरकार द्वारा नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में बिना आम सहमति के किये गये सीमा विस्तार के विरोध में देवप्रयाग में आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन में प्रतिभाग करेंगे।

जोशी ने यह भी बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष 19 नवम्बर, 2017 को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व० श्रीमती इन्दिरा गांधी की जयंती के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय देहरादून में प्रातः 1०3० बजे आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं गोष्ठी में प्रतिभाग करने के उपरान्त हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेंगे जहां पर वे कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे तथा अपराह्न 1:3० बजे सुल्तानपुर लक्सर में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व० श्रीमती इन्दिरा गांधी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे।

रानी पदमावती फिल्म को लेकर हिजाम ने तेवर किए तल्ख

ऋषिकेश। फिल्म रानी पदमावती के विरोध के स्वर देश के विभिन्न राज्यों के साथ उत्तराखंड मे भी मुखर होने लगे हैं।प्रदेश के विभिन्न शहरों के बाद उत्तराखंड के मुख्य द्वार ऋषिकेश मे भी हिन्दू जागरण मंच ने जोरदार प्रदर्शन के साथ स्थानीय सिनेमा हॉल के संचालक से मुलाकात कर उनसे तीर्थ नगरी मे फिल्म को प्रदर्शित नही करने की अपील कि।हिजाम के प्रदेश उपाध्यक्ष सतवीर तोमर के नेतृत्व मे देहरादून रोड़ स्थित रामा पैलेस थियेटर पहुंचे हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने थियेटर संचालक अशोक कुमार से दो टूक शब्दों मे कहा कि फिल्म रानी पदमावती मे मातृ शक्ति का अपमान किया गया है।जबकि रानी पदमावती की गौरव गाथा का इतिहास गवाह रहा है।प्रदर्शनकारियो मे हिजाम के नगर अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, नगर महामंत्री अमित कुमार, जगदीश कुमार, नीरज सहरावत, मोनू शर्मा, विवेक गोस्वामी, संकेत गंगवार, रोशन लाल,संजय कौशिक,संदीप चौहान, मनोज बिज्लवाण,राजेश चौहान, नीटू शर्मा, बाँबी कुमाई,कमल गुप्ता ,राजू बड़थ्वाल, अनिल रावत ,धीरज धमीजा, जगदीश जाटव,आकाशदीप, सिद्वांत, हिमित कक्कड़, दीपक खोखर शामिल थे।

रामा पैलेस थियेटर संचालक से मिलकर फिल्म को तीर्थ नगरी मे प्रदर्शित नही किए जाने की करी मांग

कैमरे की नजर में: गंदगी का साम्राज्य शहर में

आम आदमी पार्टी लिखित में निगम से लेगी आश्वासन पत्र

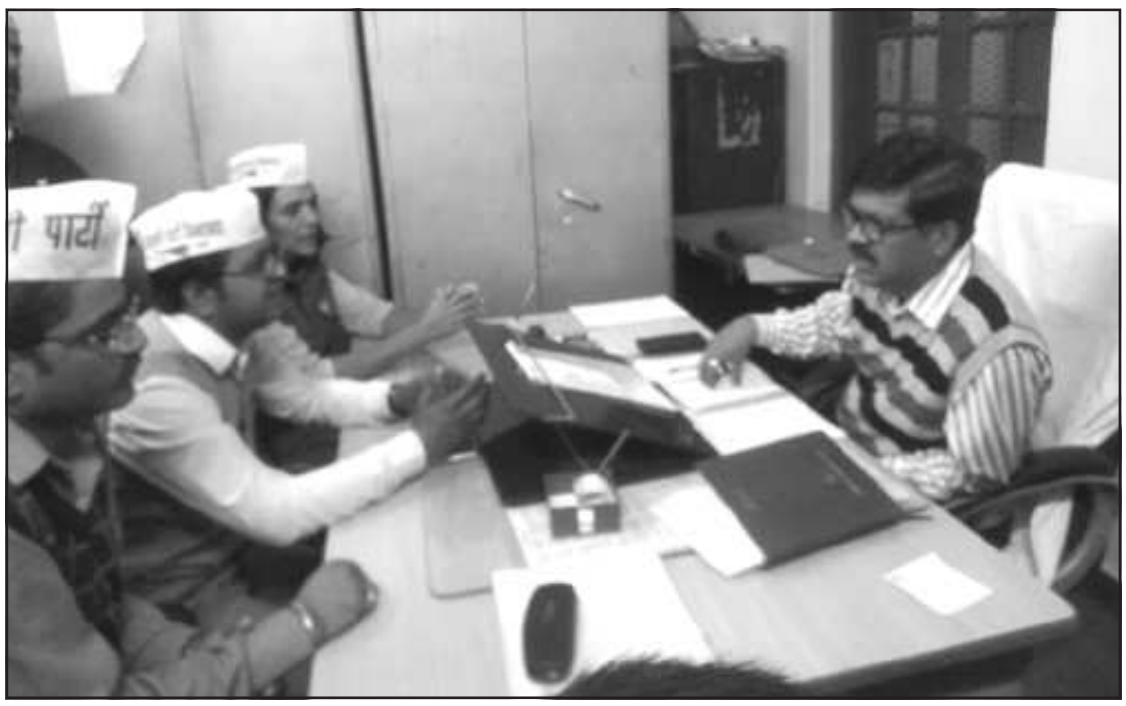

देहरादून। आज आम आदमी पार्टी, देहरादून द्वारा जिलाध्यक्षा उमा सिसौदिया के नेतृत्व में विगत दिनों सहस्त्रधारा रोड स्थित ट्रेचिंग ग्राउन्ड में आग लगने की घटना के परिपेक्ष में ट्रेचिंग ग्राउन्ड में कूड़ा निस्तारण बंद करने की निश्चित समय सीमा का लिखित रूप में आश्वासन लेने हेतु नगर निगम मेयर विनोद चमोली व नगर आयुक्त विजय कुमार जोगदंडे से मुलाकात की गई।

ज्ञात हो कि आम आदमी पार्टी द्वारा सहस्त्रधारा रोड स्थित ट्रेचिंग ग्राउन्ड में आग लगने की घटना को प्रमुखता से उठाया गया और शासन-प्रशासन पर दबाव बनाया गया कि वह पर्यावरण से संबंधित इस मुद्दे पर त्वरित कार्यवाही करे। जिलाध्यक्षा उमा सिसौदिया ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट व नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों के बावजूद भी लम्बे समय से नगर निगम व जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पर्यावरण के लिये संवेदनशील इस विषय पर टालमटोल व ढुलमुल रवैया अपनाया जाता रहा है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक 16 दिसम्बर 2016 के बाद ट्रेचिंग ग्राउन्ड में कूड़ा नहीं डाला जाना था, लेकिन मेयर व नगर आयुक्त ने क्षेत्रवासियों से आग्रह कर एक फरवरी तक का समय माँगा. फरवरी तक शीशमबाड़ा प्लांट चालू करने की बात कही गई। परन्तु नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा। नगर निगम के मुख्य नगर आयुक्त विजय कुमार जोगदंडे जी द्वारा आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्षा को लिखित रूप से ट्रेचिंग ग्राउन्ड में कूड़ा निस्तारण की अंतिम निश्चित समय सीमा लिखित रूप से देने का आश्वासन दिया गया है, उसी संबंध में आप के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मेयर व नगर आयुक्त से मुलाकात का कार्यक्रम किया गया परन्तु मेयर व नगर आयुक्त की अनुपस्थिति के कारण मुलाकात नहीं हो पाई। तत्संबंध में अपर नगर आयुक्त नीरज जोशी से आप प्रतिनिधिमंडल द्वारा चर्चा की गई। उन्होंने भी लिखित रूप से आश्वासन देने से इंकार करते हुये मौखिक रूप से आश्वासन दिया कि 30 नवम्बर के बाद सहस्त्रधारा रोड ट्रेचिंग ग्राउन्ड में कूड़ा निस्तारण नहीं किया जायेगा और शीशमबाड़ा में नवनिर्मित कूड़ा प्लांट में ही कूड़ा निस्तारण किया जायेगा।

जिलाध्यक्षा उमा सिसौदिया ने कहा कि सहस्त्रधारा रोड स्थित ट्रेचिंग ग्राउन्ड के मुद्दे पर भाजपा व काँग्रेस की चुप्पी ये बताती है कि ये दोनों ही पर्यावरण व जन-सुविधाओं के मुद्दों पर संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि नगर निगम द्वारा तय समय सीमा 30 नवम्बर के बाद भी सहस्त्रधारा रोड स्थित ट्रेचिंग ग्राउन्ड में कूड़ा निस्तारण किया जायेगा तो आम आदमी पार्टी द्वारा क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन छेड़ा जायेगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष विशाल चौधरी, जिला उपाध्यक्ष अशोक सेमवाल व सुदेश चौरसिया, विनोद बजाज, जिला मीडिया प्रभारी सुधीर पन्त, राजपुर विधानसभा प्रभारी सरिता गिरी, शैलेश तिवारी, दिनेश पेटवाल, राजेन्द्र सिंह, विपिन खन्ना, कमल राणा सहित अनेक कार्यकर्तागण व क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

हल्द्वानी महानगर में जल्द ही एफएम रेडियो स्थापना की जायेगी

नैनीताल। हल्द्वानी महानगर में जल्द ही एफएम रेडियो स्थापना की जायेगी। जानकारी देते हुये जिलाधिकारी दीपेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिह कोश्यारी के प्रयासो से हल्द्वानी में एफएम की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। एफएम की

स्थापना के लिए हल्द्वानी तहसील परिसर में दूरदर्शन रिले टावर की 1560 वर्ग मीटर भूमि सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के दूरदर्शन एंव आकाशवाणी एकांश को स्थानान्तरित कर दी गई है। उन्होने बताया कि हल्द्वानी में एफएम की बहुत बडी आवश्यकता है। बदलते दौर मे एफएम काफी लोकप्रिय है। मनोरंजक ढंग से सूचनाओ के संपेक्षण में एफएम का विशेष योगदान है। उन्होने बताया कि इस सन्दर्भ में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के कार्यक्रम अधिशासी मोहम्मद शकील ने इस सम्बन्ध में वार्ता की तथा हल्द्वानी स्थित साइट का भी निरीक्षण किया। डीएम ने बताया कि कुमायू मण्डल का यह पहला एफएम होगा इस केन्द्र से 70 किलोमीटर के दायरे मे कार्यक्रम प्रसारित होंगे। इस केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय भाषाओ मे कार्यक्रम तैयार किये जायेगे। यह केन्द्र 24 घन्टे निरन्तर कार्यक्रम एवं सूचनायें प्रसारित करेगा। इस केन्द्र पर कार्यक्रम प्रसारण के लिए 25 स्थानीय उद्घोषक भी रखे जायेगे। इस केन्द्र की स्थापना से जहां कुमायू मण्डल की व्यवसायिक गतिविधियो का प्रचार प्रसार होगा वही कूमायू की लोकसंस्कृति, लोक संगीत, लोकगीत के कलाकारों को भी मंच मिलेगा तथा इस केन्द्र द्वारा कुमाऊनी भाषा के लोकगीतों की रिकार्डिग एवं प्रसारण का कार्य किया जायेगा। इस केन्द्र द्वारा स्थानीय कलाकारो के साथ ही कवियों, लेखकों, साहित्यकारों को भी मंच मिलेगा वही जनपद के साथ ही कुमायू मण्डल मे संचालित विकास कार्यो की रिकार्डिग, वार्ताये एवं भेंट वार्ताये भी प्रसारित होंगी तथा इस केन्द्र के अस्तित्व मे आ जाने से खेल गतिविधियो को भी बढावा मिलेगा।

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि शकील अहमद ने बताया कि एफएम रेडियो केन्द्र के भवनों,स्टूडियो एवं प्रसारण कक्ष के निर्माण सम्बन्धी डीपीआर बनाकर जल्द ही सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार को सौपी जायेगी। उन्होने बताया कि अभी तक जनपद नैनीताल के मैदानी क्षेत्र की गतिविधियो का प्रसारण आकाशवाणी रामपुर द्वारा तथा जनपद के पर्वतीय क्षेत्रो की गतिविधियो का प्रसारण आकाशवाणी अल्मोडा द्वारा किया जा रहा था। इस केन्द्र के अस्तित्व मे आने पर यह केन्द्र स्वतन्त्र रूप से अपने कार्यक्रमो का प्रोडेक्शन कर उनको ब्रॉडकास्ट करेगा। इस केन्द्र से कामर्शियल विज्ञापनो का प्रसारण भी किया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी बीएल फिरमाल, उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, सांसद प्रतिनिधि डा० जेड ए वारसी आदि मौजूद थे।

देश व समाज के लिए काम करने से ही शिक्षा की सार्थकता: राज्यपाल

नैनीताल। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित करते हुए राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने कहा कि शिक्षा से सशक्त छात्र निजता से ऊपर उठ जाता है, वह अपने आप पर केन्द्रित नहीं होता। शिक्षा प्राप्ति तभी सार्थक होगी जब छात्र, राष्ट्र व समाज के लिए निरन्तर काम करते रहेंगे। शिक्षा से प्राप्त संस्कारों द्वारा ही छात्र अपने आत्मबल से जीवन में चुनौतियों का सामना करेंगे। महापुरूषों के जीवन से सीखना, उत्कृष्ट पुस्तकों का अध्ययन करना और नया सीखने की ललक रखनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। जीवन में निरन्तर नवीन ज्ञान की खोज आवश्यक है। अपनी कल्पनाएं बढ़ाते हुए नई सम्भावनाओं का पता लगाने व उनमें सफल होने के लिए लगातार परिश्रम करते रहना चाहिए। आज के परिप्रेक्ष्य में मूल्यों के प्रति सजग रहना विश्वविद्यालयों का भी अपना एक अलग दायित्व है। पाठ्य सामग्री की भाषा सरल एवं शैली बोधगम्य होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र का निर्माण और समाज को लाभ पहुँचाना ही सभी विश्वविद्यालयों का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ प्रतिभाशाली युवाओं का निर्माण करते हुए उन्हें मानवीय मूल्यों पर आधारित जीवनशैली के लिए प्रोत्साहन देता रहेगा। स्थानीय आवश्यकताओं की मांग के अनुरूप छात्रों के कौशल विकास पर बल देते हुए रोजगार हेतु सक्षम बनाने का गम्भीर प्रयास करना चाहिए। छात्रों को डिजिटल लिट्रेसी प्रदान करते हुए पूरे प्रदेश में उच्च शिक्षा के लिए प्रभावशाली गति प्रदान करने का प्रयास करे। राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय कौशल मिशन की स्थापना की है। विश्वविद्यालय को चाहिए कि इस मिशन के अनुरूप अपनी गतिविधियों का संचालन करे ताकि युवाओं में कौशल विकसित हो और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हों। ऐसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित करे जिससे युवा वर्ग को रोजगार में आसानी हो। ग्रामीण इलाकों में रोजगार वृद्धि करने के दृष्टिगत स्थानीय लोगों की क्षमताओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम चलाना चाहिए। इसके साथ ही अपने रोजगार परक पाठ्यक्रमों के लगातार प्रचार-प्रसार पर भी बल देना होगा, साथ ही प्लेसमेंट सैल के द्वारा प्लेसमेंट कैम्प लगातार आयोजन करना चाहिए। शिक्षा पद्धति में तकनीकी के प्रयोग पर बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय नई जानकारी के साथ अपनी पाठ्यसामग्री को अपडेट करता चला जाए। जो भी पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हों उन्हें व्यापक दृष्टि से नवीन बनाने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय स्मार्ट कैम्पस बनाये, जिसमें अधिक से अधिक वर्चुअल क्लास रूम की व्यवस्था हो। आवश्यकतानुसार डिजीटल लाइब्रेरी एवं ई-कन्टैन्ट का निर्माण किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने आदर्शों के पालन व मानकों की पूर्ति करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति,

कार्यपरिषद, विद्यापरिषद के सभी सदस्यों, यहाँ के शिक्षकों सहित समस्त छात्रों को बधाई दी।

दीक्षान्त समारोह को छात्रों के लिए गौरवशाली अवसर बताते हुए राज्यपाल ने डिग्री व डिप्लोमा उपाधि पाने वाले तथा अपनी पढ़ाई में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी बधाई दी। खुशी की बात है कि यह विश्वविद्यालय गोद लिए हुए गांवों की शैक्षिक उन्नति के लिए प्रयास करते हुए वहां के लोगों के स्वावलम्बी बनाने में सहायक हो रहा है। विश्वविद्यालय की छात्र संख्या चालीस हजार से भी अधिक हो चुकी है। निरन्तर बढ़ती हुई छात्र संख्या ही इस विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली में सार्थकता सिद्ध करती है। समारोह मे विभिन्न पाठयक्रमो में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले 19 स्नात्कों एवं परास्नात्को को स्वर्ण पदक के साथ ही दो छात्रो को कुलाधिपति स्वर्ण पदक व चार स्नातक विद्यार्थियो को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

वियतनाम सेना के जनरल रक्षा संबंध बढ़ाने के लिए सीतारमण से की बातचीत

नयी दिल्ली। वियतनाम पीपुल्स आर्मी के एक शीर्ष अधिकारी ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने के लिए रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ वार्ता की। वियतनाम पीपुल्स आर्मी के जनरल पॉलिटिकल डिपार्टमेंट के प्रमुख वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल लियोंग चोंग ने रक्षा सचिव संजय मित्रा के साथ भी वार्ता की। दोनों देश रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे है। पूर्व में हनोई ने नयी दिल्ली से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल खरीदने में रूचि जाहिर की थी। गत वर्ष दिसम्बर में वियतनाम के रक्षा मंत्री न्गो जुआन लिच ने भी भारत की यात्रा की थी और उस समय देश के रक्षा मंत्री रहे मनोहर पर्रिकर से रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की थी।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
मंगलवार, 14 नवम्बर 2017

देहरादून में हर्षोल्लास से मनाया बाल दिवस

बच्चों को मिष्ठान वितरित कर मनाया नेहरू का जन्मदिवस

देहरादून। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरु के जन्म दिवस के मौके पर हरिद्वार रोड स्थित पुरानी जेल परिसर में नेहरू की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए गए साथ ही बच्चों को मिष्ठान वितरित किए इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पूर्व विधायक राजकुमार, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता संतराम शर्मा, पार्षद राजेश चौधरी, सोमप्रकाश वाल्मीकि, उदयवीर मल, अल्पना जदली, दीपा चौहान, देवेंद्र कौर. तेजेंद्र कौर, प्रियांशु शर्मा, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

देहरादून। मानवाधिकार एवम् सामाजिक न्याय संगठन द्वारा बाल दिवस के अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय हकीकत राय नगर, डांडीपुर मोहल्ला देहरादून मे स्कूल के बच्चो के साथ बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया को स्कूल पहचान पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानवाधिकार एवम् सामाजिक न्याय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन जैन जी रहे। संगठन की ओर से स्कूल मे बच्चो के लिये वॉटर प्यूरिफायर दिया गया जिससे बच्चे स्वच्छ जल पी सकें ओर कहा ओर बीमारियों से बच सके क्यूकी कितनी प्यारी दुनिया इनकी, कितनी मृदु मुस्कान। बच्चों के मन में बसते हैं, सदा, स्वयं भगवान। उन्होने स्कूल के बच्चो को संगठन की ओर से बनवाए गए पहचान पत्र दिये। इस क्रम मे संगठन की प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारत में हर साल 14 नवम्बर को लोगों को बच्चों के अधिकार, देखभाल और शिक्षा के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिये मनाया जाता है। बच्चे देश की सफलता और विकास की कुँजी है क्योंकि वो ही अपने देश का नये और तकनीकी ढंग से नेतृत्व करेंगे। वो अनमोल मोती की तरह ही चमकदार और अति आकर्षक होते हैं। बच्चे सर्वशक्तिमान द्वारा उनके माता-पिता के लिए भगवान का उपहार हैं। वो निर्दोष, सराहनीय, शुद्ध और हर किसी को प्यारे होते हैं। अब प्रदेश कानूनी सलाहकार राजकुमार तिवारी ने भी अपने विचार रखे आज हमारा देश बाल दिवस के रूप मे मना रहा है प्रत्येक स्कूल मे बच्चो का स्कूल पहचान पत्र होना चाहिए यह बड़ा हर्ष का विषय है संगठन ने बच्चो कि जरूरत देखकर पहचान पत्र बनाया बाल दिवस के इस अभियान को बच्चो में काफी जागरूकता आएगी। संगठन इसी तरह से भविष्य मे भी कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती शारदा गुप्ता, विजय गुप्ता, गीता वर्मा, राहुल चौहान आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ बीमा योजना को तत्काल बहाल करे राज्य सरकार: धस्माना

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत से राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गयी मुख्यमंत्री स्वास्थ बीमा योजना को तत्काल शुरू करने की मांग करते हुये त्रिवेंद्र सरकार पर पूर्वाग्रह से ग्रसित हो कर पूर्वर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गयी गरीबोउन्मुखी योजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया। श्री धस्माना ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ बीमा योजना के तहत राज्य के लगभग 12 लाख लोग इस योजना के लाभार्ति थे जिनको बिमारी के इलाज के लिए पौने दो लाख तक का इलाज किसी भी इम्पैनल्ड हॉस्पिटल में मुफ्त मिल रहा था ,किन्तु 9 नवम्बर को राज्य स्थापना के 18 वें वर्षगाँठ के दिन मूल्यमंत्री ने राज्य के गरीबों को कोई तोफा देने की बजाय इस योजना को समाप्त कर गरीबों के ऊपर कुठाराघात किया है। श्री धस्माना ने कहा कि अगर डबल इंजिन की सरकार को कांग्रेस पार्टी के जन कल्याणकारी योजनाओं से इतनी ही नफरत है तो बीजेपी सरकार इन योजनाओं को बंद करने की बजाय उनका नाम बदल के ही चालू कर लें। उन्होंने कहा कि अगर एक सप्ताह के भीतर राज्य में मुख्यमंत्री स्वास्थ बीमा योजना शुरू नहीं की गयी तो कांग्रेस पार्टी सड़कों में उतरने पर मजबूर होगी।

फुटपाथ पूर्ण रूप से खाली हों:डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी एस.ए मुरूगेशन ने आज नेशनल हाईवे पर हो रहे नाली एवं फुटपाथ निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने एन.एच एवं लो.नि.वि तथा स्थानीय प्रशासन की टीम के साथ मिलकर घण्टाघर से पटेलनगर एवं सब्जी मण्डी तक हो रहे नाली निर्माण तथा फुटपाथ कार्यों का निरीक्षण करते हुए लो.नि.वि के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मार्गों पर हो रहे अतिक्रमण को तोड़ा जाये चाहे वह सरकारी हो या प्राईवेट, सरकारी अधिकारियों द्वारा जो बाउन्ड्रीवाल आगे तक बढाई गयी है उसे प्राविधानित बजट मिलने के पष्चात ही तोड़े ताकि बजट प्राप्त होते ही वह अपनी बाउन्ड्री आदि पीछे करते हुए बना लें।

जिलाधिकारी ने एन.एच अधिकारियों को हाईवे निर्माण पर बन रहे खतरनाक गड्ढो को भी भरे जाने के निर्देश दिये तथा खतरनाक स्थानों पर साईनेज लगाने व पेयजल की लाईनों के कारण पेयजल की सप्लाई में बाधा न आने के निर्देश दिये। उन्होने एन.एच एवं लो.नि.वि के अधिकारियों को निर्देशित किया अभी तक 30 से 40 प्रतिशत तक ही कार्य उनके द्वारा किया गया है। उन्होने उक्त कार्यों पर अंसतोश व्यक्त करते हुए कहा कि काम में अधिक श्रमिक लगाते हुए कार्य को एक माह तक पूर्ण करें। सड़क के दोनो ओर नालियों का निर्माण करते हुए उस पर मौटे स्लेब बिछायें इसके साथ फुटपाथ का निर्माण करते हुए उसके सौन्दर्यीकरण का कार्य भी करें। निरीक्षण के दौरान उन्होने घण्टाघर के पास इन्द्रमणी बडोनी जी की मूर्ति के पास जो नाला है उसकी सफाई करते हुए उस पर मौटे स्लेब डाले जायें तथा उस पर फुटपाथ का निर्माण करें, जिससे पैदल राहगीरों को कोई असुविधा न हो। उन्होने लो.नि.वि के अधिकारियों से कहा कि मार्ग में जितने पैट्रोल पम्पों के सामने गहरे नाले बने हुए हैं उनकी सफाई करते हुए उन पर मौटे स्लैब डालते हुए फुटपाथ का निर्माण करें।

निरीक्षण के दौरान उन्होने आदर्श मार्केट सहारनपुर रोड पर चिन्हिकरण करते हुए सड़क की चौड़ाई किसी भी दशा में कम न हो उस पर उन्होने सड़क के किनारे फुटपाथ बनाने के निर्देश लो.नि.वि. अधिकारियों को दिये। उन्होने निरीक्षण करते हुए सहारनपुर रोड सब्जीमण्डी के 3 किमी कार्यों का निरीक्षण किया, जिस पर अभी 1 1ध्2किमी मार्ग पर कार्य पूर्ण किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 1 1/2 किमी कार्य बांयी ओर तथा 600 मीटर कार्य दायीं ओर हुआ है। लो.नि.वि.के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि मुख्य मार्ग होने की वजह से इस मार्ग पर यातायात का दबाव काफी अधिक है, जिससे दिन में कार्य कर पाना असम्भव है रात्रि को ही कार्य किया जा रहा है प्रान्तीय खण्ड के अधिकारी ने अवगत कराया कि उन्हे 1.71 लाख रू० स्वीकृत हुआ है। उनके द्वारा कठिनाई वाले स्थानो पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है शेष कार्य जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा।

एन.एच के अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान अवगत कराया कि सब्जी मण्डी से लेकर शिमला बाईपास तक उकत कार्य करवाने हेतु उनके द्वारा गलत आंगणन का निर्धारण किन्ही कारणों से हो गया है जबकि उक्त कार्यों को को पूरा करने हेतु 3.51 करोड़ रू० का बजट प्रस्तावित होगा। जिसे अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को दिया गया हैं इस पर उन्होने कहा कि 2.51 करोड़ रू० का रिवाइज स्टीमेट स्वीकृत कर दिया जायेगा। कार्य को शीघ्रता एवं गुणवत्ता से पूर्ण करने के निर्देश उनके द्वारा दिये गये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सड़क के किनारे फुटपाथ का निर्माण पैदल राहगीरों के लिए किया गया है उस पर व्यवसायियों द्वारा अतिक्रमण करते हुए अपना सामान रखा गया है उसे तुरन्त हटाने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये, जिससे फुटपाथ पूर्ण रूप से खाली हो, जिस पर पैदल यात्री चल फिर सकें। निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरविन्द कुमार पाण्डेय, अधिशासी अभियन्ता लो.नि.वि ए.एस भण्डारी, अधिशासी अभियन्ता लो.नि.वि वाई.एस राजवंशी, अधिशासी अभियन्ता राष्ट्रीय राजमार्ग एम.पी.एस रावत एवं लो.नि.वि के सहायक अभियन्ता मौजूद थे।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक राजेश शर्मा द्वारा इंटर ग्राफिक प्रिंटर्स, 64-नेशविला रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित, 142 श्रीदेव सुमन नगर बल्लूपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक : राजेश शर्मा मो.- 9897598151, **प्रबंध सम्पादक :** अभिषेक शाही मो.- 9897865003 कानूनी सलाहकार: प्रकाश टी पाल **E-mail ID:** crimestory.dial100@gmail.com नोट: समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे।